HINDUSTAN PAGE 7

मितवा और लागा चुनरी में दाग गीतों से बांधा समां

लखनऊ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस सप्ताह पर गुरुवार को एपी सेन सभागार में आयोजित संगीत संध्या में कलाकारों ने प्रस्तुति देकर सबका ध्यान खींचा।

एलयू

लखनऊ,संवाददाता। एलयू में 104वें स्थापना दिवस के तहत स्थापना सप्ताह के मद्देनजर गुरुवार को एक दर्जन से ज्यादा विभागों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद और कई प्रतियोगिताएं हुईं।

एपी सेन सभागार में प्राच्य संस्कृत विभाग और सांस्कृतिकी की ओर से संगीत संध्या का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में बॉलीवुड से आए संगीत कलाकार शिवांग माथुर, रूतिका ब्रहमभट्ट, कंचन मीणा ने अपने मधुर गीतों से सभी का मन मोह लिया। गायकों ने लागा चुनरी में दाग, माईरी, मितवा जैसे गीत गाकर सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया।

इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. अरविंद मोहन, सांस्कृतिकी निदेशक प्रो. अंचल श्रीवास्तव, प्राच्यसंस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेरणा माथुर समेत कई अन्य मौजूद रहे। विधि संकाय की ओर से वाटिका में आयोजित म्यूजिक जैमिंग में एलयू स्पोर्ट्स एवं कल्चरल कमेटी के संगीत क्लब मेलोफाइन ने कई शानदार गीतों की संगीतमयी प्रस्तुति दी। द्वितीय परिसर निदेशक प्रो. आरके सिंह, विधि संकाय अधिष्ठाता प्रो.बीडी सिंह समेत उपस्थित रहे। वहीं अन्य विभागों की ओर से भी विभिन्न आयोजन हुए।

लाल किताब की महत्ता पर व्याख्यान

एलयू के ज्योतिर्विज्ञान विभाग में ज्योतिषीय उपचार में लाल किताब की महत्ता पर व्याख्यान हुआ। लाल किताब के विशिष्ट वक्ता आचार्य आदित्य गुप्त ने कहा कि खगोलीय पिंड हमारे जीवन पर प्रभाव डालते हैं। पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाने का तार्किक कारण बताते हुए कहा कि यदि कुंडली में नवम भाव में शनि है तो सरसों के तेल का दीपक पीपल पेड़ के नीचे जलाना चाहिए। उन्होंने बताया कि लाल किताब ज्योतिष की विधा है जो उपचार के माध्यम से लाभ प्रदान कराती है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

सुरों से गुलजार हुआ लविवि परिसर, प्रस्तुतियों ने मोहा मन

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 104वें स्थापना दिवस के तहत चल रही साप्ताहिक कार्यक्रमों की शृंखला में छात्र-छात्राओं ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। मुंबई से आए कलाकारों ने संगीत संध्या में सुरों का जादू बिखेरा। बॉलीवुड से आए संगीत कलाकार शिवांग माथुर ने जब लागा चुनरी में दाग... गाने को गुनगुनाया तो पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा।

रुतिका ब्रहमभट्ट और कंचन मीना के माई नि माई... और मितवा... गाकर रंग जमाया। प्राच्य संस्कृत विभाग एवं सांस्कृतिकी के इस आयोजन का उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। इस अवसर प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, प्रो अंचल श्रीवास्तव, दीपक मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस सप्ताह के तहत हुए रंगारंग आयोजन

लखनऊ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस सप्ताह के उपलक्ष्य पर आयोजित संगीत संध्या के दौरान गीत गाते शिवांग माथुर। - संवाद

लविवि में शिवांग माथुर के गीतों को आनंद लेतीं छात्राएं। - संवाद

लविवि के स्थापना दिवस सप्ताह के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में छात्रों को साइंस के बारे में जानकारी देतीं ज्योति बाजपेई दीक्षित। संवाद

यहां भी हुए आयोजन

वाणिज्य विभाग की ओर से सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत गायन एवं पेंटिंग प्रतियोगिता हुई। भूगोल विभाग में में सतत विकास का वर्तमान परिदृश्य विषय पर संभाषण प्रतियोगिता में रजत कुमार और इंद्रजीत शुक्ला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। शिक्षा संकाय में पर्यावरण संरक्षण पर दो दिवसीय वाद-विवाद प्रतियोगिता के बाद विजेताओं की घोषणा की गई। नवीन परिसर में प्रबंधन विज्ञान संस्थान ने क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया। ओएसडी प्रो. विनीता काचर मौजूद रहीं। विधि संकाय में म्यूजिक जैमिंग का आयोजन किया गया जिसमें लखनऊ विवि स्पोर्ट्स एवं कल्चरल कमेटी के संगीत क्लब मेलोफाइल ने शानदार गीतों की प्रस्तुति दी।

ज्योतिर्विज्ञान विभाग में हुई ग्रहों पर चर्चा

लखनऊ। गाय, कौवे और कुत्ते के लिए भोजन का ग्रास निकालने से ग्रह शांत होते हैं। ये तीनों जानवर बुध, शुक्र और केतु से संबंधित हैं। इसलिए जिन परिवारों में इन तीन जानवरों के लिए भोजन ग्रास निकाला जाता है, उस परिवार के लिए बुध, शुक्र और केतु हमेशा शुभ फल देते है। ये बातें आचार्य आदित्य गुप्त ने कहीं। वह लखनऊ विश्वविद्यालय के ज्योतिर्विज्ञान विभाग में ज्योतिषीय उपचार में लाल किताब की महत्ता विषय पर हुए व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। विभागाध्यक्ष प्रो. अरविंद मोहन, डॉ. सत्यकेतु, डॉ. अनिल पोरवाल, डॉ. अभिमन्यु सिंह, डॉ. अशोक शतपथी, डॉ. विष्णुकांत शुक्ल, डॉ. अनुज शुक्ल, डॉ. प्रवीण बाजपेयी व बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। (संवाद)

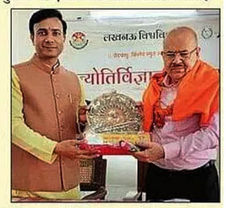

लविवि : बीयूएमएस और बीएएमएस का परीक्षा कार्यक्रम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीयूएमएस और बीएएमएस कोर्स के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें बैक पेपर के विद्यार्थियों का कार्यक्रम भी शामिल है। बीयूएमएस की परीक्षाएं 11 से 28 दिसंबर के बीच होंगी। बीएएमएस की परीक्षाएं 10 दिसंबर से 27 दिसंबर के बीच होंगी। विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विस्तृत कार्यक्रम देख सकते हैं। (संवाद)

JAGRAN CITY PAGE III

पीपल के नीचे दीपक जलाने के बताए तार्किक कारण

जासं • लखनऊ : 'यदि किसी की कुंडली में नवम भाव में शनि बैठा है तो उसे सरसों के तेल का दीपक पीपल पेड़ के नीचे जलाना चाहिए। पीपल का पेड़ गुरु का कारक है। सरसों का तेल शनि का कारक। इसलिए शनि के नवम भाव में होने पर गुरु का उपाय करने से शनि बलवान होकर भाग्य को मजबूत करके शुभ फल देता है।' यह तार्किक कारण गुरुवार को आचार्य आदित्य गुप्त ने लखनऊ विश्वविद्यालय के ज्योतिर्विज्ञान विभाग में स्थापना दिवस सप्ताह के अंतर्गत आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में बतौर वक्ता बताए।

आचार्य आदित्य गुप्त ने कहा कि लाल किताब ज्योतिष की ऐसी विधा है जो उपचार के माध्यम से लाभ प्रदान कराती है।

कुंडली में दूसरा, पांचवां, नवां, ग्यारहवां और बारहवां भाव गुरु को होता है। यदि इन भाव में शुक्र, बुध और राहु बैठा हो तो गुरु ग्रह को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को वर्ष में दो बार बुध के उपाय करने ही चाहिए। संयोजक डा. सत्यकेतु ने बताया कि किस प्रकार से खगोलीय पिंड हमारे जीवन पर प्रभाव डालने में समर्थ हैं।

रजत कुमार एवं इंद्रजीत शुक्ला रहे अव्वल : भूगोल विभाग में 10वें स्थापना दिवस सप्ताह में संभाषण प्रतियोगिता हुई। विभागाध्यक्ष प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि परास्नातक संवर्ग में एम.ए प्रथम सेमेस्टर के रजत कुमार एवं स्नातक संवर्ग में स्नातक पांचवें सेमेस्टर के इंद्रजीत शुक्ला ने प्रथम स्थान जीता। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया।

लवि के स्थापना दिवस सप्ताह के अवसर पर विजेताओं को विभागाध्यक्ष प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया • लवि

म्यूजिक जैमिंग में छात्रों ने दी शानदार गीतों की प्रस्तुति

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के जानकीपुरम स्थित द्वितीय परिसर में 104वें स्थापना दिवस सप्ताह के अंतर्गत विधि संकाय की वाटिका में 'म्यूजिक जैमिंग' कार्यक्रम हुआ। इसमें लवि स्पोर्ट्स एवं कल्चरल कमेटी के संगीत क्लब 'मेलोफाइल' ने गीतों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर द्वितीय परिसर निदेशक प्रो आरके सिंह, विधि संकाय अधिष्ठाता प्रो. बीडी सिंह, प्रो. सतीश चंद, उप निदेशक प्रो आनंद सिंह, प्रो. कौशलेन्द्र सिंह, प्रो. सुधीर वर्मा ने प्रतिभागियों की हौसला अफजाई की। शुक्रवार को यहां काव्य गोष्ठी होगी, जिसमें विद्यार्थी कविता पाठ करेंगे।

स्थापना दिवस सप्ताह में प्रस्तुति देते शिवांग माथुर • जागरण

वैप्रिसस क्रिकेट लीग का आयोजन : प्रबंधन विज्ञान संस्थान में गुरुवार से तीन दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट 'चैंपियंस क्रिकेट लीग 3.0' की शुरुआत हुई। आइएमएस की सेमेस्टर के रजत कुमार एवं स्नातक संवर्ग में स्नातक पांचवें सेमेस्टर के इंद्रजीत शुक्ला ने प्रथम स्थान जीता। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया।

लवि के स्थापना दिवस सप्ताह के अंतर्गत ज्योतिर्विज्ञान विभाग में हुआ विशिष्ट व्याख्यान

ओएसडी प्रो. विनीता कचर ने इसका उद्घाटन किया। इसमें दूसरे परिसर के सभी विभागों की टीमें भाग ले रही हैं।

गायन व पेंटिंग प्रतियोगिता हुई : खाद्यिज्ञ विभाग में गायन एवं पेंटिंग प्रतियोगिता हुई। प्रथम स्थान प्रिया गुप्ता, द्वितीय स्थान संयुक्त रूप से हंसिका गुप्ता, प्रियांशु और तृतीय स्थान संयुक्त रूप से अग्रिम श्रीवास्तव, मानसी ने प्राप्त किया। पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रेया कुमारी, द्वितीय स्थान अभिजीत वर्मा एवं तीसरा स्थान एकता जैन ने जीता।

'ओ मितवा तुझको क्या डर है रे, ये धरती अपनी है अपना अंबर है रे'

जासं • लखनऊ : 'ओ मितवा तुझको क्या डर है रे, ये धरती अपनी है अपना अंबर है रे ...' मधुर संगीत के साथ शिवांग माथुर ने गुनगुनाया तो छात्र-छात्राएं स्वर-साथ गाने लगे, कुछ उत्साह में थिरकने भी लगे। ये नजारा विश्वविद्यालय के 104वें स्थापना दिवस के पूर्व गुरुवार को आयोजित संगीत संध्या कार्यक्रम का है, जिसे प्राच्य संस्कृत विभाग, सांस्कृतिकी लखनऊ विश्वविद्यालय ने मिलकर किया था।

कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राच्य संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेरणा माथुर ने कार्यक्रम में बालीवुड से पधारे संगीत कलाकार शिवांग माथुर, रुतिका ब्रहमभट्ट, कंचन मीना का परिचय दिया। शिवांग ने हिंदी, रुतिका ने गुजराती गरबा और कंचन ने राजस्थानी के साथ पुराने मधुर गीत सुनाए। लागा चुनरी में दाग .., माई री आदि गीतों को सुनकर छात्र-छात्राएं झूम उठे।

कार्यक्रम में उपकुलपति प्रो. मोनिका खन्ना, डीन प्रो अरविंद मोहन व विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन दीपक मिश्र व सांस्कृतिकी लखनऊ विश्वविद्यालय की निदेशक प्रो. अंचल श्रीवास्तव ने सभी का आभार जताया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाने का बताया तार्किक कारण

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के ज्योतिर्विज्ञान विभाग ने स्थापना दिवस सप्ताह के अन्तर्गत एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया। कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के संरक्षकत्व में आयोजित ज्ज्योतिषीय उपचार में लाल किताब की महत्ताज् विषय पर व्याख्यान हुआ। व्याख्यान का शुभारम्भ मंगलाचरण व दीप प्रज्जवलन से किया गया। इसके पश्चात ज्योतिर्विज्ञान के संयोजक डॉ.सत्यकेतु द्वारा ज्योतिष की लाल किताब के विशिष्ट वक्ता आचार्य आदित्य गुप्ता का परिचय एवं वाचिक स्वागत करते हुए ज्योतिष की महत्ता को बताते हुए उन्होंने बताया कि किस प्रकार से खगोलीय पिंड हमारे जीवन पर प्रभाव डालने में समर्थ हैं। लाल किताब के विशिष्ट वक्ता आदित्य गुप्ता ने पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाने का तार्किक कारण बताते हुए कहा, यदि किसी की कुंडली में नवम भाव में शनि बैठा है तो उसे सरसों के तेल का दीपक पीपल पेड़ के नीचे जलाना चाहिए। पीपल का पेड़ गुरु का कारक है और सरसों का तेल शनि का कारक है इसीलए शनि के नवम भाव में शनि होने पर गुरु का उपाय करने से शनि बलवान होकर भाग्य को मजबूत करके शुभ फल देता है। उन्होंने कहा, लाल किताब ज्योतिष कि ऐसी विधा है जो उपचार के माध्यम से लाभ प्रदान कराती है और कुंडली में दूसरा, पांचवां, नौवां, ग्यारहवां और बारहवां भाव गुरु को होता है। यदि इन भाव में शुक्र, बुध और राहु बैठा हो तो गुरु ग्रह को कमजोर करता है।

ज्योतिषीय उपचार में लाल किताब की महत्ता पर व्याख्यान

संभाषण प्रतियोगिता में रजत व इंद्रजीत अव्वल

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 104वां स्थापना दिवस सप्ताह के

भारतीय ज्ञान परंपरा पर वाद-विवाद प्रतियोगिता

उपलक्ष में संस्कृत और प्राकृत भाषा विभाग में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 25 से अधिक प्रतिभागी प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मंगलाचरण एवं दीप प्रज्जालन के साथ हुआ। कार्यक्रम में कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो.अरविंद मोहन उपस्थित होकर कला एवं विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय मनीषियों का योगदान के विषय में सभी को अवगत कराया। इसमें संस्कृत भाषा का क्या योगदान है और आगे शोधार्थियों को क्या करना है उसके लिए प्रेरित किया। इस प्रतियोगिता में विभाग के सभी अध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉ.अभिमन्यु सिंह उपस्थित रहें।

इसी कड़ी में भूगोल विभाग में सतत विकास का वर्तमान परिदृश्य विषय पर संभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें परास्नातक संवर्ग में एमए सेमेस्टर प्रथम के रजत कुमार एवं स्नातक संवर्ग में स्नातक सेमेस्टर पंचम के इंद्रजीत शुक्ला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एवं निर्णायक प्रो.प्रशांत श्रीवास्तव एवं प्रो.दुर्गेश श्रीवास्तव विभाग अध्यक्ष भूगोल ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया।

मधुर गीतों पर कलाकारों की प्रस्तुति ने बांधा शमा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। प्राच्य संस्कृत विभाग एवं सांस्कृतिकी लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से स्थापना दिवस के पूर्व संगीत संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का प्रारम्भ किया। इस मौके पर उपकुलपति प्रो.मनुका खन्ना,डीन प्रो.अरविंद मोहन, सांस्कृतिकी लविवि की निदेशक प्रो.अंचल श्रीवास्तव, प्राच्यसंस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ.प्रेरणा माथुर, प्रोफेसर और विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में बॉलीवुड से आए संगीत कलाकार शिवांग माथुर, रूतिका ब्रहमभट्ट, कंचन मीना ने मधुर गीतों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में लागा चुनरी में दाग, माई री, मितवा आदि मधुर गीतों का दर्शकों ने आनन्द लिया। कार्यक्रम का संचालन दीपक मिश्र व धन्यवाद ज्ञापन प्रो.अंचल श्रीवास्तव ने किया।